वैश्विक प्रेषण पर रिपोर्ट : विश्व बैंक

drishtiias.com/hindi/printpdf/report-on-global-remittances-world-bank

चर्चा में क्यों?

हाल ही में जारी **विश्व बैंक** के **माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ब्रीफ** के नवीनतम संस्करण के अनुसार, **कोविड-19** प्रसार के बावजूद **वर्ष 2020 में प्रेषित धन का प्रवाह लचीला** रहा, जो पूर्व-अनुमानित आँकड़ो में कमी को प्रदर्शित करता है।

प्रमुख बिंदु

भारत का प्रेषण प्रवाह:

विश्व अर्थव्यवस्था को प्रभावित करने वाली कोविड महामारी के बावजूद **वर्ष 2020** में **भारत** प्रेषित धन का **सबसे बड़ा प्राप्तकर्त्ता** रहा है जिसने प्रेषित धन के रूप में **83 बिलियन अमेरिकी डॉलर** से अधिक प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष (2019) की तुलना में केवल **0.2 प्रतिशत कम** है।

- वर्ष 2020 में भारत को प्रेषित धन में **केवल 0.2% की गिरावट** आई है, जिसमें **संयुक्त अरब अमीरात** से **प्रेषित धन में 17% की कमी के कारण** सर्वाधिक गिरावट हुई, जो संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य आयोजक देशों से लचीले प्रवाह को परिलक्षित करता है।
- **वर्ष 2019 में** भारत को प्रेषित धन का **83.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर** प्राप्त हुआ था।

वैश्विक प्रेषित धन या प्रेषण

- वर्ष 2020 में चीन का वैश्विक प्रेषित धन प्रवाह में दूसरा स्थान है।
  वर्ष 2020 में चीन को प्रेषित धन के रूप में **59.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर** प्राप्त हुए।
- **भारत और चीन** के बाद क्रमशः **मेक्सिको, फिलीपींस, मिस्र, पाकिस्तान, फ्राँस तथा बांग्लादेश** का स्थान है।

प्रेषित धन का बहिर्वाह :

संयुक्त राज्य अमेरिका (68 बिलियन अमेरिकी डॉलर) से प्रेषित धन का **बहिर्वाह** सर्वाधिक था, इसके बाद **यूएई, सऊदी अरब, स्विट्ज़रलैंड, जर्मनी** तथा **चीन** का स्थान है।

प्रेषित धन के स्थिर प्रवाह का कारण:

- **राजकोषीय प्रोत्साहन** के फलस्वरूप आयोजक देशों की **आर्थिक स्थिति अपेक्षाकृत अधिक बेहतर** हुई।
- **नकद या कैश से डिजिटल** की ओर तथा अनौपचारिक से औपचारिक चैनलों के प्रवाह में बदलाव करना।
- **तेल की कीमतों और मुद्रा विनिमय दरों** में चक्रीय उतार-चढ़ाव।

प्रेषित धन या रेमिटेंस (Remittance):

- **प्रेषित धन वह धन है** जो किसी अन्य पार्टी (सामान्यत: एक देश से दूसरे देश में) को भेजा जाता है।
- प्रेषक आमतौर पर एक **अप्रवासी** होता है और **प्राप्तकर्त्ता एक समुदाय/परिवार** से संबंधित होता है। दूसरे शब्दों में रेमिटेंस से आशय प्रवासी कामगारों द्वारा धन अथवा वस्तु के रूप में अपने मूल समुदाय/परिवार को भेजी जाने वाली आय से है।
- रेमिटेंस कम आय वाले और विकासशील देशों में लोगों के लिये **आय के सबसे बड़े स्रोतों** में से एक का प्रतिनिधित्व करता है। यह आमतौर पर **प्रत्यक्ष निवेश और आधिकारिक विकास सहायता की राशि से अधिक** होता है।
- रेमिटेंस परिवारों को **भोजन, स्वास्थ्य देखभाल और मूलभूत आवश्यकताओं** को पूरा करने में मदद करते हैं।
- **विश्व में** प्रेषित धन या रेमिटेंस का **सबसे बड़ा प्राप्तकर्त्ता भारत** है। रेमिटेंस भारत **के विदेशी मुद्रा भंडार** में वृद्धि करता है और इसके **चालू खाते के घाटे** के लिये धन जुटाने में मदद करता है।

विश्व बैंक

परिचय

- **अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD)** तथा **अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF)** की स्थापना एक साथ वर्ष 1944 में ब्रेटन वुड्स सम्मेलन (Bretton Woods Conference) के दौरान हुई थी।
  अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) को ही विश्व बैंक कहा जाता है।
- **विश्व बैंक समूह** गरीबी को कम करने और विकासशील देशों में साझा समृद्धि का निर्माण करने वाले **स्थायी समाधानों के लिये कार्यान्वित पाँच संस्थानों** की एक अनूठी वैश्विक साझेदारी है।

सदस्य:

- वर्तमान में **189 देश** इसके **सदस्य** हैं।
- **भारत** भी इसका एक **सदस्य** है।

प्रमुख रिपोर्ट्स:

इसकी पाँच विकसित संस्थाएँ

- **अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) :** यह लोन, ऋण और अनुदान प्रदान करता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय विकास संघ (IDA):** यह निम्न आय वाले देशों को कम या बिना ब्याज वाले ऋण प्रदान करता है।
- **अंतर्राष्ट्रीय वित्त निगम (IFC):** यह कंपनियों और सरकारों को निवेश, सलाह तथा परिसंपत्तियों के प्रबंधन संबंधी सहायता प्रदान करता है।
- **बहुपक्षीय निवेश गारंटी एजेंसी (MIGA):** यह ऋणदाताओं और निवेशकों को युद्ध जैसे राजनीतिक जोखिम के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने का काम करती है।
- **निवेश विवादों के निपटारे के लिये अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (ICSID):** यह निवेशकों और देशों के मध्य उत्पन्न निवेश-विवादों के सुलह और मध्यस्थता के लिये सुविधाएँ प्रदान करता है।

विश्व बैंक की माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट ब्रीफ रिपोर्ट :

- इसे विश्व बैंक की प्रमुख अनुसंधान और डेटा शाखा **'डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स' (Development Economics- DEC) की माइग्रेशन एंड रेमिटेंस यूनिट (Migration and Remittances Unit)** द्वारा तैयार किया जाता है।

- **इसका प्रमुख उद्देश्य छह महीनों में माइग्रेशन और रेमिटेंस के प्रवाह** तथा संबंधित नीतियों के क्षेत्र में प्रमुख विकास पर एक अद्यतन प्रदान करना है।
- यह विकासशील देशों को **रेमिटेंस प्रेषण प्रवाह के लिये मध्यम अवधि** का अनुमान भी प्रदान करता है।
- यह डेटा **वर्ष में दो बार** तैयार किया जाता है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस